लेखक सूची

पुराप्रवाह (क्रमांक 1–3)

विंध्यवासिनी*

अग्रवाल, अंकित
गुप्तकाल में उद्योग धंधों का विकास. 2, 2017, पृ० 264–273.

प्राचीन भारतीय परंपराओं में सामाजिक एवं सहिष्णुता एवं समन्वय (संहिता काल से सूत्रकाल तक). 3, 2018, पृ० 182–190.

अहिरवार, रामकुमार
उज्जयिनी की प्राचीन मुद्राओं में बौद्ध प्रतीक. 1, 2016, पृ० 266–268.

उपाध्याय, प्रभाकर एवं मुकेश कुमार
मिर्जापुर जनपद का पुरातात्त्विक सर्वेक्षण (चुनार तहसील). 2, 2017, पृ० 192–214.

उपाध्याय, प्रभाकर एवं पारुल सिंह
विंध्य–गांगेय क्षेत्र के उत्खनित पुरास्थलों से प्राप्त कृष्ण लेपित मृद्भांड परंपराः विश्लेषणात्मक अध्ययन. 1, 2016, पृ० 106–113.

उपाध्याय, प्रभाकर एवं कृष्ण मोहन दुबे
विंध्य–गांगेय क्षेत्र के पाषाण उपकरणों के स्वरूप में परिवर्तनः मध्य–पाषाण काल से लौह काल तक. 3, 2018, पृ० 173–181.

उपाध्याय, महेन्द्र कुमार
बुंदेलखंलड के लोक देवता हरदौलः एक ऐतिहासिक दृष्टि. 2, 2017, पृ० 331–334.

कुमार, अरविन्द
मुद्रा एवं अभिलेखिक साक्ष्यों के प्रकाश में गुप्त शासकों की धार्मिक सहिष्णुता. 1, 2016, पृ० 169–176.

अभिलेख कलाः ऐतिहासिक स्रोत (मूर्तिकला के विशेष परिप्रेक्ष्य में). 2, 2017, पृ० 184–191.

* भारतीय पुरातत्त्व परिषद्, नई दिल्ली

कुमार, मनोज
पश्चिमी चंपारण जिले (बिहार) का पुरातात्त्विक सर्वेक्षण. 1, 2016, पृ० 212–220.

कुमार, रवीन्द्र एवं दीपक कुमार
यूरोपीय मानचित्रण में भारत का प्रतिनिधित्व. 1, 2016, पृ० 254–259.

कुमारी, सुधा एवं विनय कुमार
कृष्ण–लोहित मृद्भांड परंपराः एक अवलोकन. 3, 2018, पृ० 198–205.

कुशवाहा, संजय कुमार
मध्य पाषाणिक मानव के भरण–पोषण के आधारभूत तत्त्व. 1, 2016, पृ० 7–12.

मृदभांडीय परंपरा का उद्भव एवं विकास (मध्यपाषाणिक संस्कृति के विशेष संदर्भ में). 2, 2017, पृ० 177–183.

केसरवानी, अरुण एवं बबिता
अशोक की धम्म नीतिः एक सिंहावलोकन. 1, 2016, पृ० 221–230.

चक्रधारी, सुदर्शन एवं रवीन्द्र नाथ सिंह
गणेश्वर का उत्खनन 2013ः मृदभांडों के विशेष संदर्भ में. 2, 2017, पृ० 251–255.

चक्रधारी, सुदर्शन, डी० पी० सिंह, सुनील कुमार एवं आफताब आलम
कांतली नदी (राजस्थान) परिक्षेत्र का पुरातात्त्विक अन्वेषण. 3, 2018, पृ० 73–82.

चटर्जी, अर्पिता
नवकर्मिक कला. 1, 2016, पृ० 177–181.

चंदानी, विनिता
मध्य प्रदेश से प्राप्त वाकाटक ताम्रपत्रों की लिपिगत विशेषताएँ. 3, 2018, पृ० 162–172.

जॉर्ज, शिवानी
वचन साहित्य का दर्पणः आत्मानुभूत सत्य के हीरक कण. 1, 2016, पृ० 273–275.

जायसवाल, राजीव कुमार
प्राचीन भारत में लौहयुगः उत्तरप्रदेश के सद्यः उत्खनित साक्ष्यों के विशेष संदर्भ में. 3, 2018, पृ० 118–127.

जोगलेकर, प्रमोद
उत्तरी कृष्ण मार्जित मृद्भांडकालीन विंध्य गांगेय क्षेत्र का प्राणिवैज्ञानिक विश्लेषण. 1, 2016, पृ० 118–123.

अहाड़ संस्कृति के पुरास्थलों से प्राप्त प्राणि–अवशेषों का अवलोकन. 2, 2017, पृ० 121–130.

तिवारी, डी० पी०
सोनभद्र में शैलचित्र कला. 1, 2016, पृ० 1–6.

तिवारी, मारुतिनंदन प्रसाद एवं शांति स्वरूप सिन्हा
जैन परंपरा और कला में सारस्वत शक्ति की प्रतीक सरस्वती. 3, 2018, पृ० 18–26.

तिवारी, राकेश
लहुरादेवा में प्राचीन कृषि व्यवस्था. 1, 2016, पृ० 20–29.

भारतीय उप–महाद्वीप में लोहे की प्राचीनता. 2, 2017, पृ० 91–120.

तिवारी, विमल
सरूपपुर (प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश) स्थित प्राचीन मंदिर के अवशेषः एक रिपोर्ट. 1, 2016, पृ० 263–265.

तिवारी, सचिन कुमार
बौद्ध साहित्य में चित्रकलाः पुरातात्त्विक परिप्रेक्ष्य. 1, 2016, पृ० 164–168.

द्विवेदी, एस० के० एवं लल्लेश कुमार
बीजामंडल से प्राप्त बुद्ध प्रतिमा एवं पुरावशेष. 2, 2017, पृ० 335–339.

द्विवेदी, साधना
झारखंडः छउ नृत्य. 2, 2017, पृ० 343–345.

दीक्षित, कैलाश नाथ
सरस्वती घाटी में भारतीय सभ्यता का उदय. 1, 2016, पृ० 30–60.

अयोध्या उत्खननः पुनरावलोकन. 2, 2017, पृ० 76–90.

मानसून क्षेत्र में स्थित गंगा, दक्षिण–पूर्व एशिया एवं चीन में नगरीकरण. 3, 2018, पृ० 91–106

दुबे, सीताराम
पक्काकोट (बुद्धकालीन मातुला) से उपलब्ध नवीन विहारः एक विवेचनपरक अध्ययन. 2, 2017, पृ० 170–176.

– एवं **संतोष कुमार**
भारत में नौकाघाट की परंपराः पक्कोट से प्राप्त साक्ष्य. 1, 2016, पृ० 205– 211.

दुबे, सुनील कुमार एवं रवीन्द्र नाथ सिंह
घुरहुपुर की पुरातात्त्विक विरासत. 1, 2016, पृ० 61–69.

देव, सुषमा, जोगलेकर, जयेन्द्र, पांडेय, सुमन एवं निहारिका श्रीवास्तव,
भारतीय प्रायद्वीप के डेक्कन–पठार क्षेत्र के निम्न–पुरापाषणकालीन (एश्युलियन) स्थलों का पुनरावलोकन एवं नवीन अन्वेषण. 3, 2018, पृ० 27–41.

परमार, नरेन्द्र
सरस्वती घाटी में प्रथम नगरीय सभ्यता का पुरातात्त्विक अवलोकन. 1, 2016, पृ० 86–92.

पांडेय, अरुण प्रकाश
भारतवर्ष में ताम्र–स्रोतः एक अवलोकन. 2, 2017, पृ० 327–330.

पांडेय, ओम प्रकाश
ग़दर. 3, 2018, पृ० 232–234.

पांडेय, उमेश चंद्र एवं सुनील कुमार सिंह
दमोह जिले की सर्वेक्षित गणेश प्रतिमाएँ. 3, 2018, पृ० 191–197.

पांडेय, निधि
बनकट का पुरातात्त्विक वैशिष्ट्य. 2, 2017, पृ० 295–299.

पाल, आभा
मध्य गांगेय मैदान की ताम्रपाषाण युगीन संस्कृति– एक विश्लेषण. 1, 2016, पृ० 99–105.

मध्य गांगेय मैदान की मध्यपाषाणिक संस्कृति में अस्थि–उपकरणों का महत्व. 2, 2017, पृ० 164–169.

प्रसाद, पूनम
गुफा स्तूप में संरचना–संबंधी परिवर्तनों का रेखांकन तथा उनके विकास–क्रम के विविध चरण. 3, 2018, पृ० 128–141.

बाला, सरोज
महाभारत की कहानी, विज्ञान की जुबान. 2, 2017, पृ० 242–250.

मणि, बुद्धरश्मि
कपिलवस्तु उत्खनन (2012–13) तथा नूतन तिथि निर्धारण. 1, 2016, पृ० 114–117.

कुणाल उत्खनन (2016–2017). 2, 2017, पृ० 235–241.

तक्षशिला में कुषाण सम्राट कनिष्क का सपत्नीक अंकन. 3, 2018, पृ० 224–227.

मित्तल, सतीश चन्द्र
1857 की महान क्रांति तथा इसका अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव. 3, 2018, पृ० 1–17.

मिश्र, नीरज कुमार एवं राजेश यादव
प्राचीन भारतीय विज्ञान के प्रमुख स्रोत के रूप में अमरकोश. 1, 2016, पृ० 247–253.

मिश्र, प्रवीण कुमार
पिपरी का सद्यः उद्घाटित मंदिर. 1, 2016, पृ० 260–262.

यादव, कन्हैया लाल एवं प्रवीन मिश्र
मछलीशहर तहसील जौनपुर जनपद के प्रमुख सर्वेक्षित पुरास्थल. 2, 2017, पृ० 312–318.

यादव, उदिता
मध्य–गांगेय मैदान में अनु–पुरापाषाण कालीन प्रस्तर–अवशेष. 2, 2017, पृ० 256–263.

यादव, विजयकान्त
भारत में आभिलेखिक अध्ययन. 2, 2017, पृ० 281–288.

यादव, विनोद
सोन एवं बेलन घाटी में उच्च पुरापाषाणिक अधिवास प्रक्रिया और पुरापर्यावरण. 2, 2017, पृ० 300–305.

भारत में उच्च पुरापाषाण कालीन कला के साक्ष्य. 3, 2018, पृ० 235–237.

यादव, शैलेश कुमार
प्रकार–तकनीकी एवं कार्यात्मक लक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन. 3, 2018, पृ० 142–150.

यादव, सुरेन्द्र कुमार
वारूणेय क्षेत्र में कुषाण अधिवास की प्रक्रिया. 1, 2016, पृ० 182–195.

रविशंकर
जनपद भदोही उत्तर प्रदेश की प्रचीन पात्र परंपराओं का अध्ययन. 3, 2018, पृ० 53–72.

राय, दीपक कुमार
ताम्रपाषाण कालीन मृद्भांड परंपराएँ–एक अध्ययन. 3, 2018, पृ० 107–117.

राय, मनीष एवं पांडेय, प्रदीप कुमार
रावणानुग्रह मूर्तियों के कलात्मक अंकन का विकास. 2, 2017, पृ० 222–227

रावत, बृजेश
तीर्थंकर नेमिः एक अन्वेषण. 1, 2016, पृ० 155–163.

रावत, यदुबीर सिंह
वडनगर उत्खनन (2005–11), मेहसाणा जिला, गुजरात. 1, 2016, पृ० 141–154.

वर्मा, शशि
माहिष्मती परिक्षेत्र के बौद्ध पुरावशेष. 2, 2017, पृ० 340–342.

शर्मा, अर्चना
बौद्ध कला में दानपारमिता की अभिव्यक्ति. 1, 2016, पृ० 196–204.

शर्मा, धर्मवीर एवं राहुल शर्मा
भारत लक्ष्मी, रजत तस्तरी का पुरातात्त्विक एवं साहित्यिक विवेचन. 3, 2018, पृ० 228–231.

शिंदे, वसंत
मध्य भारत में प्राचीन सभ्यता का उद्भव एवं विकास. 1, 2016, पृ० 70–85.

हड़प्पा सभ्यता. 2, 2017, पृ० 35–75.

शुक्ल, अनुराग
महर्षि व्यासः पुराण एवं महाभारत. 1, 2016, पृ० 124–129.

शुक्ल, विवेक
मध्य सोन घाटी के लघुपाषाणिक उद्योगों का तकनीकी एवं प्रारूपकीय अध्ययन. 1, 2016, पृ० 13–19.

श्रीवास्तव, नीहारिका अजय
भरहुत स्तूप से प्राप्त वृक्ष–अंकन. 1, 2016, पृ० 269–272.

सलीम, एस० एम०, राजीव निगम,एस० थेजसिनो एवं राजीव सारस्वत
समुद्र–तल में उतार–चढ़ाव का मानव सभ्यता पर प्रभाव. 2, 2017, पृ० 274–280.

सिंह, अनिल कुमार
भारत कला भवन, वाराणसी की भैरव मूर्तियाँ– एक प्रतिमा–शास्त्रीय अध्ययन. 2, 2017, पृ० 289–294.

सिंह, अमित
सूक्ष्म–क्षति अध्ययन में प्राकृतिक घटकों की भूमिकाः एक अध्ययन. 3, 2018, पृ० 206–212.

सिंह, अरविन्द कुमार एवं नवनीत कुमार जैन
तोमर राजवंश का इतिहासः अभिलेखीय साक्ष्य. 1, 2016, पृ० 231– 246.

पोहरी के आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं जल मंदिर के अभिलेख. 2, 2017, पृ० 145–157.

सिंह, अशोक कुमार एवं रवि शंकर
वाराणसी जनपद के नवसर्वेक्षित पुरास्थल. 1, 2016, पृ० 93–98.

नव–अन्वेषित पुरास्थलः गिरियाँ, संत रविदास, उत्तर प्रदेश. 2, 2017, पृ० 228–234.

सिंह, उमेश कुमार
कला–इतिहास में बिहार की हरिहर मूर्तियाँ. 2, 2017, पृ० 306–311.

सिंह, उर्वशी एवं रवीन्द्र नाथ सिंह
आलमगीरपुर (जिला मेरठ) का नवीन उत्खनन: कतिपय आयाम. 3, 2018, पृ० 42–52.

सिंह, पुष्पलता, अनूप कुमार एवं दीपक कुमार शुक्ला
गोंडा जिले के नवीन सर्वेक्षित पुरातात्त्विक स्थल. 2, 2017, पृ० 131–138.

सिंह, बृज मोहन, विकास कुमार एवं रवीन्द्र नाथ सिंह
नौगढ़ क्षेत्र एवं समीपवर्ती पुरास्थलों का पुरातात्त्विक अध्ययनः सेमर साधोपुर के विशेष संदर्भ में. 3, 2018, पृ० 83–90.

सिंह, मनोज कुमार
मयूरभंज से प्राप्त निम्न पुरापाषाणकालीन संस्कृति के अवशेष. 2, 2017, पृ० 19–34.

सिंह, रवीन्द्र नाथ, कैमेरान पेट्री, धीरेन्द्र प्रताप सिंह एवं सुदर्शन चक्रधारी
लोहारी राघो–II (हिसार, हरियाणा) का पुरातात्त्विक विश्लेषण. 2, 2017, पृ० 158–163.

सिंह, रश्मि
वाकाटक अर्थव्यवस्थाः एक अभिलेखीय अध्ययन. 2, 2017, पृ० 319–326.

सिंह, शिवबहादुर
श्रमण परंपरा के सामाजिक आदर्श का यथार्थपरक अनुशीलन. 2, 2017, पृ० 215–221.

सिंह, संजीव कुमार एवं रूमी गुप्ता
भारतीय परंपरा में शिव एवं उनके आयुधः एक पुरातात्त्विक विश्लेषण. 3, 2018, पृ० 151–161.

सोनावणे, वी० एच०
भारत के उच्च पुरापाषाण की कला में उत्कीर्ण चंद्रावती कोर का महत्व. 2, 2017, पृ० 139–144.

त्रिपाठी, रत्नेश कुमार
सरस्वती नदी के तीर्थों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि. 1, 2016, पृ० 130–140.

त्रिपाठी, विभा एवं पारुल सिंह
प्राचीन भारतीय लौह युगः प्रौद्योगिकी एवं विरासत. 2, 2017, पृ० 1–18.

निजामाबाद की कृष्ण लेपित मृद्भांड परंपरा का अध्ययनः एक नृतात्विक विश्लेषण. 3, 2018, पृ० 220–223.